5 बंधन का सुख

पठन से पूर्व

बंधन में भी अनेक प्रकार के सुख होते हैं। पक्षियों या पशुओं को एक स्थान पर कैद करके या बंधन में रखा जाता है, तो उन्हें खाने-पीने की सुविधा होती है। उन्हें बैठे-बिठाए भोजन व आवास उपलब्ध हो जाता है। परंतु क्या कारण है कि फिर भी कोई प्राणी बंधन में नहीं रहना चाहता? हर कोई स्वतंत्र होकर जीना चाहता है।

पाठ-परिचय

यह कविता स्वतंत्र जीवन के महत्त्व को उजागर करती है। मैना पिंजरे में बंद तोते को देखकर सोच रही थी कि उसके दिन मज़े से कट रहे हैं क्योंकि उसे भोजन-पानी की तलाश नहीं करनी पड़ती। यह सुनकर तोते ने उसे कुछ दिन पिंजरे में गुज़ारने का अनुरोध किया। चार दिन में ही मैना तड़पने लगी और उसे लगा कि बंधन के सारे सुख व्यर्थ हैं।

चर्चा करें

चिड़ियाघर में बंद पक्षियों तथा पशुओं के बारे में बच्चों की राय जानें। उन्हें प्राप्त सुविधाओं की जानकारी दें। बिना बंधन के खुले गगन में रहने वाले पक्षियों की चुनौतियों एवं खतरों के बारे में भी चर्चा करें। दोनों के जीवन में अंतर के विषय में बातचीत करें।

पिंजरे के तोते से बोली,
छत पर बैठी मैना-
बड़े मज़े से तुम रहते हो,
बोलो ये सच है ना?

बैठे-बैठे मिल जाते हैं,
भाँति-भाँति के व्यंजन।
काश! मुझे भी मिल पाता,
जो ये पिंजरे का बंधन।।

भोजन और जल की तलाश में,
हम दिन-रात भटकते।
तब जाकर दो-चार अन्नकण,
अपने पल्ले पड़ते।।

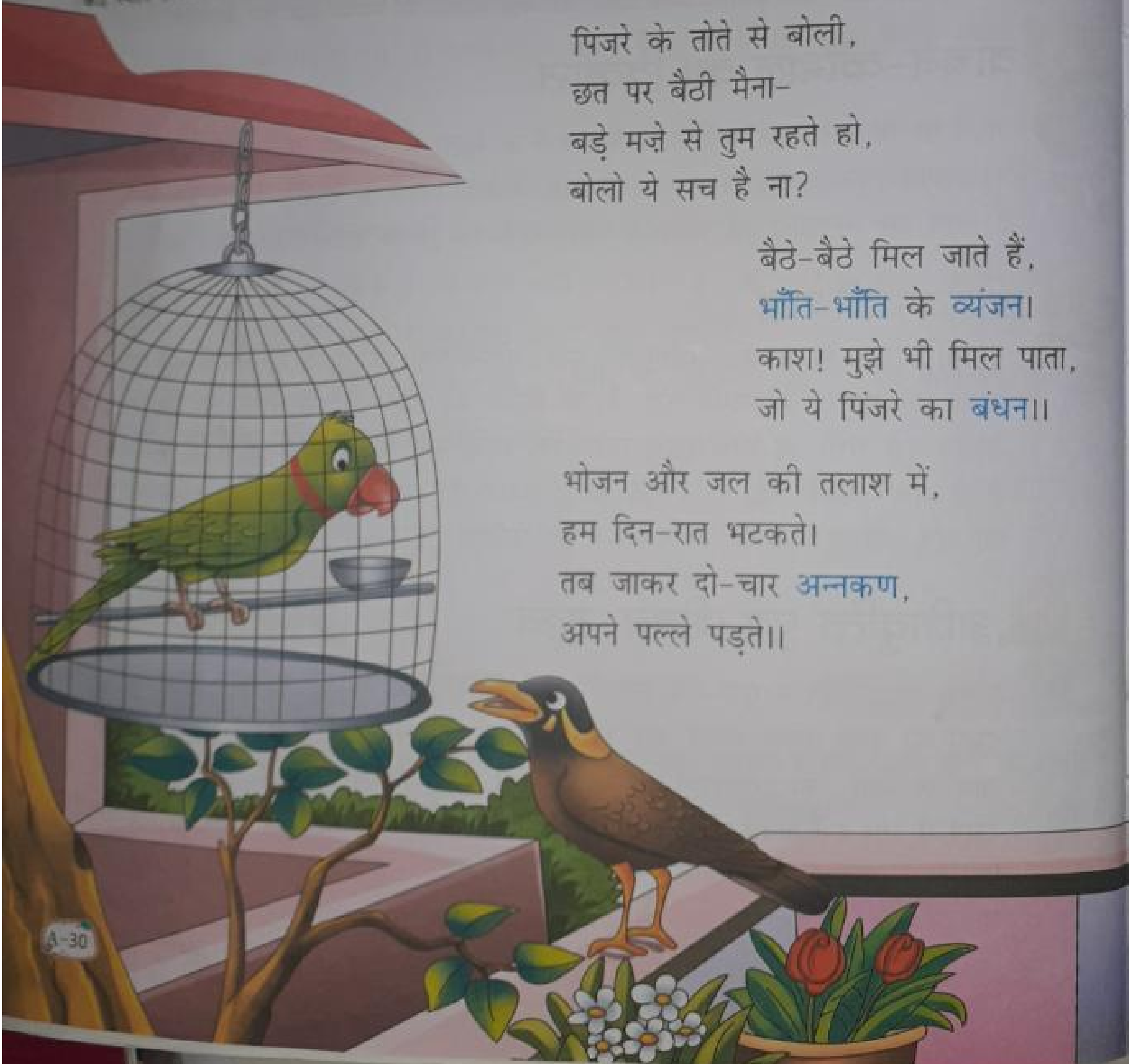

उस पर हरदम चिड़ीमार का,
डर रहता है मन में।
हिंसक जीव-जंतुओं के,
भीषण खतरे हैं वन में।।

तोता बोला, अगर सोचती
हो, सुख है बंधन में।
मुझे निकालो, आओ अंदर,
मैं जाता हूँ वन में।।

तुम ले लो पिंजरे का सुख,
मैं लूँ जंगल की पीड़ा।
बड़े मज़े से रहना इसमें,
करना निश-दिन क्रीड़ा।।

मैना ने खोला दरवाज़ा,
जैसे ही पल-छिन में।
मैना को अंदर कर तोता,
खुद उड़ गया गगन में।।

चार दिनों में ही वह मैना,
अंदर तड़प रही थी।
उड़ने को आकाश में ऊँचे,
तबीयत फड़क रही थी।।

भाँति-भाँति के भाते न थे,
उसको कोई व्यंजन।
न आराम सुहाता उसको,
न पिंजरे का बंधन।।

– श्री रमेश द्विवेदी

मौखिक प्रश्न

1. मैना कहाँ बैठी थी? वह किससे बोली?
2. किसे बैठे-बैठे भोजन मिल जाता है?
3. मैना दिन-रात किसलिए भटकती है?
4. मैना की बातें सुनकर तोते ने क्या कहा?

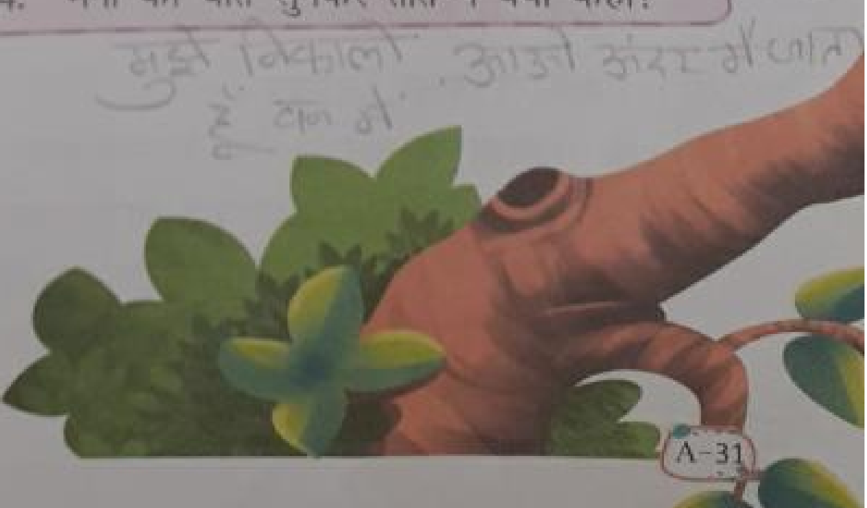

शब्दार्थ

भाँति-भाँति = तरह-तरह के (different types of)

हिंसक = हिंसा करने वाला, मारने वाला (violent)

व्यंजन = पकवान (dishes of good food)

भीषण = भयानक, बहुत ज़्यादा (fierce)

पीड़ा = दर्द (pain)

अन्नकण = अनाज के दाने (small pieces of grain)

निश-दिन = रात और दिन (day and night)

पल-छिन में = बहुत जल्दी (soon)

बंधन = कैद, बँधे होने की दशा (captivity)

क्रीड़ा = खेल-कूद (sports)

गगन = आसमान (sky)

भाते न थे = अच्छे नहीं लगते थे (not liked)

सुहाता = पसंद आता (liked)

चिड़ीमार = चिड़िया पकड़ने वाला, बहेलिया (fowler, bird hunter)

शब्द-भंडार

पर्यायवाची शब्द

पीड़ा - कष्ट, दर्द, तकलीफ़

गगन - अंबर, आकाश, नभ

जल - वारि, पानी, सलिल

वन - विपिन, कानन, जंगल

विलोम शब्द

सच × झूठ

सुख × दुख

हिंसक × अहिंसक

बंधन × मुक्ति

अभ्यास

पाठ से प्रश्न

Comprehension based on Lesson

(क) प्रश्नों के उत्तर लिखिए।

1. पिंजरे के तोते से मैना ने क्या कहा?
2. मैना पिंजरे के अंदर क्यों जाना चाहती थी?
3. मैना और अन्य पक्षी दिन-रात किसलिए भटकते हैं?
4. पक्षियों को किन खतरों का सामना करना पड़ता है?
5. चार ही दिन में पिंजरे में मैना की क्या हालत हो गई? क्यों?

Rajshree PAGE NO. DATE

पाठ 5 कविता
बंधन का सुख

मौखिक प्रश्न

प्रश्न1 मैना कहाँ बैठी थी? वह किससे बोली?

उत्तर मैना छत पर बैठी थी। वह तोते से बोली।

प्रश्न2 किसे बैठे-बैठे भोजन मिल जाता है?

उत्तर तोते को बैठे-बैठे भोजन मिल जाता है।

प्रश्न3 मैना दिन-रात किसलिए भटकती है?

उत्तर मैना दिन-रात अन्नकण की तलाश में भटकती है।

प्रश्न4 मैना की बातें सुनकर तोते ने क्या कहा?

उत्तर मैना की बातें सुनकर तोते ने कहा मुझे निकालो, आओ अंदर मैं जाता हूँ वन में।

प्रश्न वाक्यों के सामने सही ✓ या गलत ✗ का निशान लगाइए।

1 तोता ने मैना को पिंजरे के सुख की बात बताई। ✗

2 मैना पिंजरे में घुसने के लिए परेशान थी। ✓

3 जंगल में पेड़ों के फल और झरनों का पानी आसानी से मिल जाते हैं। ✗

4 जंगल में बहेलिए का डर होता है। ✓

5. पिंजरे में रहकर मैना खुश हो गई। ✗

Rajshree
PAGE NO.:
DATE:

पाठ 5 कविता
बंधन का सुख

लिखित प्रश्नों के उत्तर

प्रश्न 1 पिंजरे के तोते से मैना ने क्या कहा?

उत्तर पिंजरे के तोते से मैना ने कहा बड़े मजे से तुम रहते हो, बोलो ये सच है ना।

प्रश्न 2 मैना पिंजरे के अंदर क्यों जाना चाहती थी?

उत्तर मैना ने सोचा पिंजरे का सुख अच्छा है, उसे भोजन की तलाश में इधर-उधर भटकना नहीं पड़ेगा और हिंसक जीव-जंतुओं का भी खतरा नहीं रहेगा।

प्रश्न 3 मैना और अन्य पक्षी दिन-रात किसलिए भटकते हैं?

उत्तर मैना और अन्य पक्षी दिन-रात भोजन की तलाश में भटकते हैं।

प्रश्न 4 पक्षियों को किन खतरों का सामना करना पड़ता है?

उत्तर पक्षियों को चिड़ीमार एवं हिंसक जीव-जन्तुओं का सामना करना पड़ता है।

प्रश्न 5 चार ही दिन में पिंजरे में मैना की क्या हालत हो गई? क्यों?

उत्तर चार दिनों में ही मैना पिंजरे के अंदर तड़पने लगी, क्योंकि वह आकाश में स्वतंत्र होकर उड़ना चाहती थी।